Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UPPSC - CSE

सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा

Prelims & Mains

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

सामान्य अध्ययन

पेपर 6

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, भूगोल एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

SIERRA INNOVATIONS

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, भूगोल एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

पेपर – 6

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	राज्य बजट 2023-24	1
2.	उत्तर प्रदेश में व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग	12
3.	उत्तर प्रदेश में निवेश : मुद्दे और प्रभाव	19
4.	उत्तर प्रदेश: लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति	22
5.	ऊर्जा संसाधन एवं प्रबंधन	31
6.	औद्योगिक विकास , शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना	36
7.	अधोसंरचना – परिवहन एवं संचार	45
8.	उत्तर प्रदेश के विकास में सार्वजानिक एवं निजी साझेदारी	56
9.	उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक	58
10.	उत्तर प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजनायें, परियोजनाएं एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास	63
11.	उत्तर प्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना	84
12.	उत्तर प्रदेश की भौगोलिक विशेषता	86
13.	उत्तर प्रदेश : कृषि का वाणिज्यकरण एवं उत्पादन	103
14.	सामाजिक एवं कृषि वानिकी	110
15.	उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्यएवं आर्द्र भूमि	115
16.	अधिवास एवं पारिस्थितिकी तंत्र : उत्तर प्रदेश	121
17.	उ.प्र. में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी, एवं पौध उत्पादन तथा विकास में इनका प्रभाव	123
18.	उत्तर प्रदेश में प्रदुषण एवं पर्यावरण के मुद्दे	129
19.	उत्तर प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीकी के मुद्दे , प्रसार एवं प्रयत्न	135

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें ।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

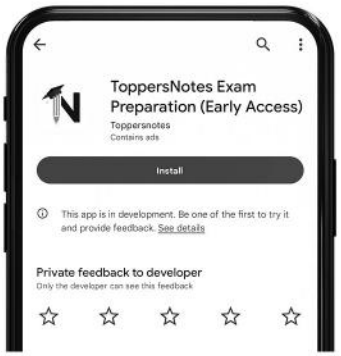

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से ।

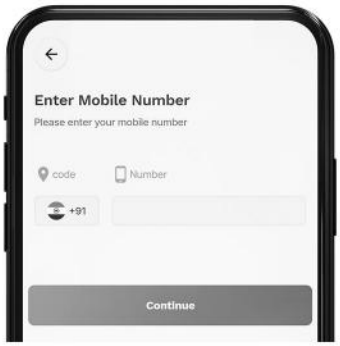

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें ।

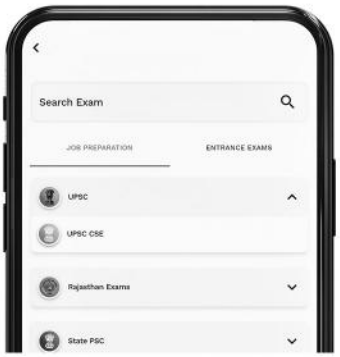

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें ।

सर्च बटन पर क्लिक करें ।

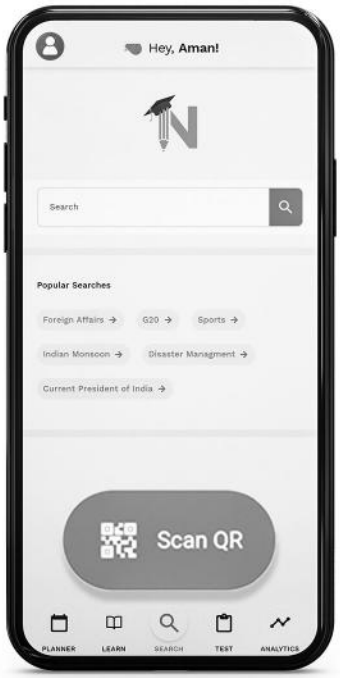

SCAN QR पर क्लिक करें ।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें ।

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए
hello@toppersnotes.com पर मेल करें
या **766 56 41 122** पर whatsapp करें ।

Thank You!!

for Choosing Toppersnotes

50% OFF

Just for you!!

USE CODE : **TOPPER50**

Coupon valid only for 30 days after purchase.

Scan the QR code and login from your registered phone number

UPPCS TEST SERIES

~~₹1499~~ ~~₹999~~ **₹499**

(After coupon)

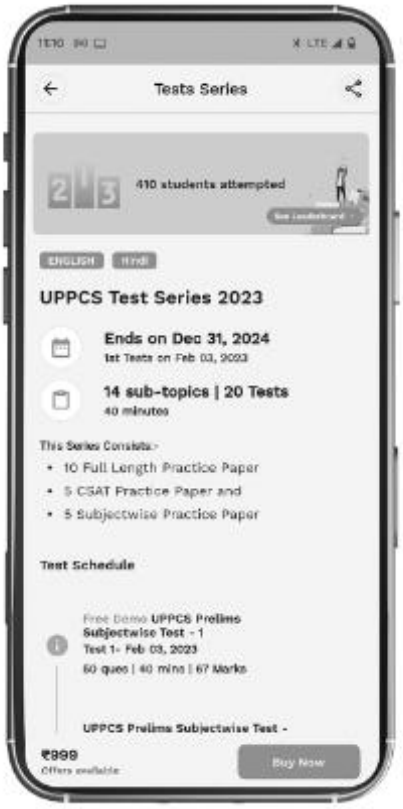

- 5 Subject-wise Test
- 10 Full Length Test
- 5 CSAT Test
- Based on Latest sylabus.
- Up Centric question according to new pattern
- Bilingual
- Comprehensive coverage
- High-quality questions
- Detailed explanations
- Performance analysis
- Flexibility - At your own pace
- Peer comparison on leader board
- Affordable pricing
- Designed by Toppers and top faculty.

How to use the Coupon Code?

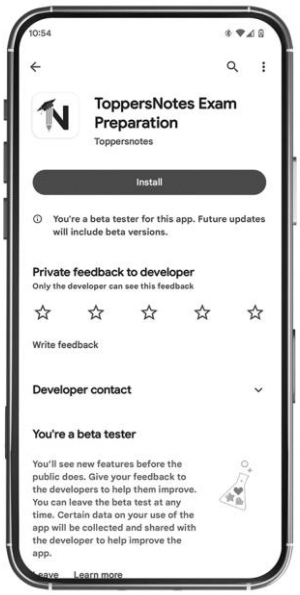

STEP:1

Scan the QR code from the back page and install the Toppersnotes learning app.

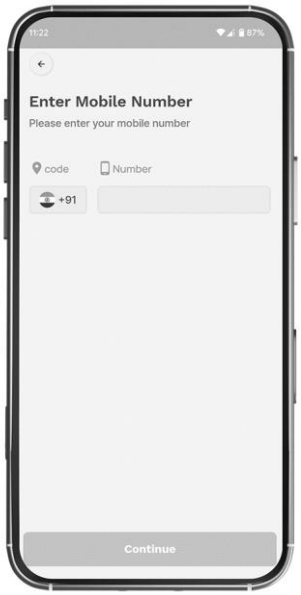

STEP:2

login with your registered phone number and select your exam.

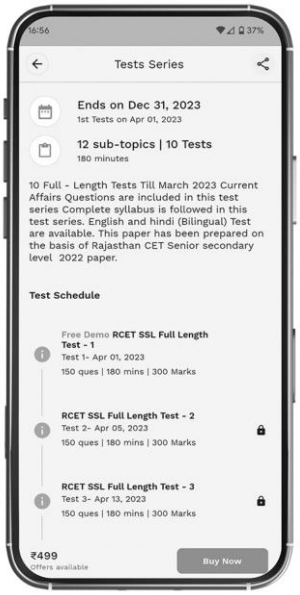

STEP:3

On the test series page you can try demo test or Click on buy now

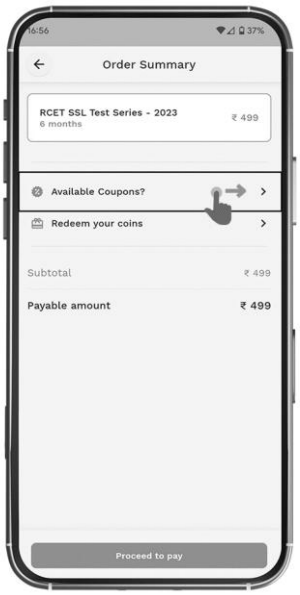

STEP:4

Click on apply coupon

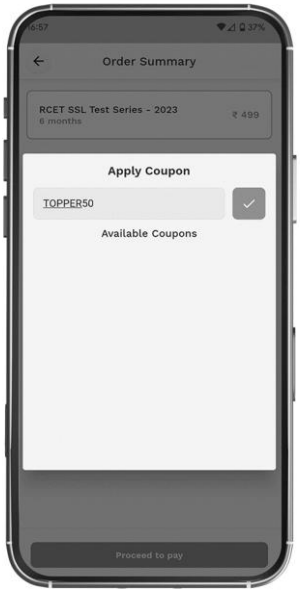

STEP:5

Enter the coupon code.

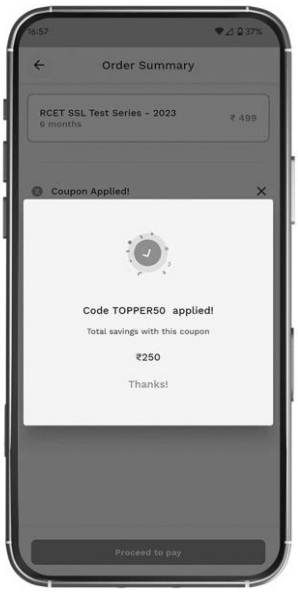

STEP:6

Your code will be applied and then proceed with the payment.

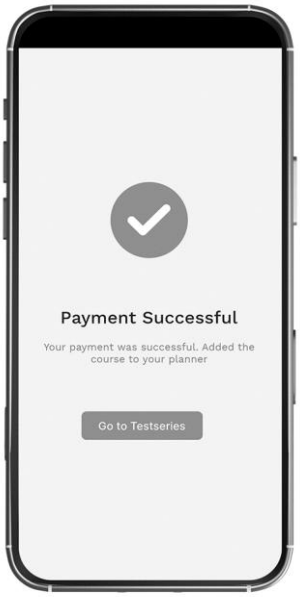

STEP:7

After successful payment click on go to test series

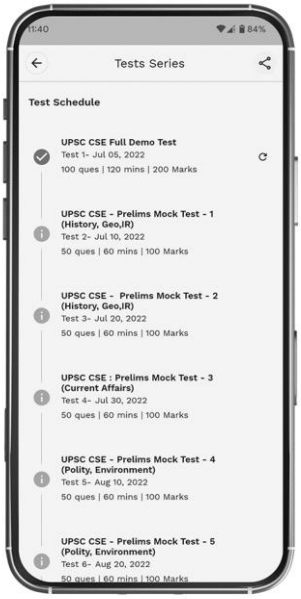

STEP:8

Your test series subscription is active now

For any technical support or queries call

9614-828-828

Email

apps@toppersnotes.com

1
CHAPTER

राज्य बजट 2023-24

- **भारत के संविधान** के **अनुच्छेद 202** के अधीन **प्रत्येक वित्तीय वर्ष** के सम्बन्ध में, जो 01 अप्रैल से 31 मार्च तक होता है, राज्य सरकार की **अनुमानित प्राप्तियों** और **व्यय** का जो विवरण **विधान मण्डल** के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, उसे **संविधान** में **"वार्षिक वित्तीय विवरण"** की संज्ञा दी गयी है । इस विवरण को ही बोलचाल की भाषा में **बजट** अथवा **आय-व्ययक** कहा जाता है।

बजट सारांश

वित्तीय वर्ष 2023 2024

वर्ष 2021-2022 के वास्तविक आँकड़े, वर्ष 2022 2023 के बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान एवं वर्ष 2023 2024 के आय-व्ययक अनुमानों के तुलनात्मक विवरण निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित हैं-

(₹ करोड़ में)

बजट का सार				
	2021-22 वास्तविक आँकड़े	**2022-23 बजट अनुमान**	**2022-23 संशोधित अनुमान**	**2023-24 बजट अनुमान**
1. राजस्व लेखे की प्राप्तियां	371011.44	499212.71	478816.53	570865.66
2. कर राजस्व	307725.79	367153.76	354983.28	445871.59
3. करेत्तर राजस्व	63285.65	132058.95	123833.25	124994.07
4. पूँजी लेखे की प्राप्तियां	76690.62	91739.00	97312.84	112427.08
5. ऋणों कि वसूली	939.43	2565.00	2565.00	3312.18
6. उधार और अन्य देयताएँ (जिसमें भारतीय रिज़र्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम)	75751.19	89174.00	94747.84	109114.90
7. कुल प्राप्तियाँ (1+4)	447702.06	590951.71	576129.37	683292.74
8. राजस्व लेखे पर व्यय जिसमें	337581.38	456089.06	424909.27	502354.01
9. ब्याज अदायगियाँ	44875.56	48487.46	47865.50	52755.56
10. पूँजी लेखे पर व्यय जिसमें	102381.85	159429.92	160363.02	187888.42
11. पूँजीगत परिव्यय	71442.55	123919.85	126601.11	147617.29
12. ऋण की अदायगियाँ (जिसमें भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त अर्थोपाय अग्रिम का प्रतिदान सहित)	28725.94 10000.00	32563.29 10000.00	22565.13 0.00	31181.43 10000.00
13. कुल व्यय (8+10)	439963.23	615518.98	585272.29	690242.43
14. राजस्व बचत (1-8)	33430.06	43123.65	53907.26	68511.65

15. राजकोषीय घाटा	39286.42	81177.98	81325.63	84883.16
16. प्रारम्भिक घाटा (15-9)	-5589.14	32690.52	33460.13	32127.60

- इसमें राज्य का स्वयं का कर राजस्व एवं केन्दीय करों में राज्यांश सम्मिलित हैं।
- इसमें राज्य का स्वयं का करेत्तर राजव एवं केन्द्र से प्राप्त अनुदान सम्मिलत हैं।

वित्तीय वर्ष के बजट अनुमान 2023-2024

वित्तीय स्थिति की समीक्षा

निम्नलिखित विवरण- पत्र में आय-व्ययक अनुमान 2023 2024 की स्थिति का सारांश दिया गया है

(₹ करोड़ में)

मद	**आय-व्ययक अनुमान 2022-23**	**पुनरीक्षित अनुमान 2022-23**	**आय-व्ययक अनुमान 2023-24**
1	**2**	**3**	
प्रारंभिक शेष	* 40550.03	* 40550.83	37407.11
1- समेकित निधि			
(1) प्राप्तियां -			
(1) राजस्व लेखे की प्राप्तियां	499212.71	478816.53	570865.66
(2) पूँजी लेखे की प्राप्तियां			
(i) ऋणों से प्राप्तियां	89174.00	94747.84	109114.90
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियां	2565.00	2565.00	3312.18
योग – (ख) – पूँजी लेखे की प्राप्तियां	91739.00	97312.84	1122427.08
योग – (1) – प्राप्तियां	590951.71	576129.37	683292.74
(2) व्यय -			

(1) राजस्व लेखे का व्यय -	456089.06	424909.27	502354.01
(2) पूँजी लेखे का व्यय -			
(i) पूंजीगत परिव्यय	123919.85	126601.11	147492.29
(ii) ऋणों का प्रतिदान	32563.29	22565.13	31181.43
(iii) ऋण और अग्रिम	2946.78	11196.78	9214.70
योग – (ख) – पूँजी लेखे का व्यय	159429.92	160363.02	187888.42
योग – (2) – व्यय	615518.97	585272.29	690242.43
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत(+)	(-) 24567.26	(-) 9142.92	(-) 6949.69
2- आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	0.00	0.00	0.00
3- लोक लेखा (शुद्ध)	6000.00	6000.00	5500.00
समस्त लेन-देनों का शुद्ध परिणाम	(-) 18567.26	(-) 3142.92	(-) 1449.69
अंतिम शेष	21982.77	37407.11	35957.42
*** भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य के खाते के अनुसार**			

केन्द्र सरकार से प्राप्तियाँ

- **वर्ष 2022-2023** के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में **केन्द्र सरकार** से प्राप्त होने वाले **केन्द्रीय करों** में राज्य का **अंश**, **सहायता अनुदान** एवं **कर्ज तथा अग्रिम की धनराशि** में न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैं :-

मदें	**पुनरीक्षित अनुमान 2022-2023**	**आय-व्ययक अनुमान 2023-2024**	**न्यूनाधिकताऐं वृद्धि + / कमी**	**प्रतिशत**
1- केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	169745.30	183237.59	(+)13492.29	7.95
-केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर	54556.68	59250.41	(+) 4693.73	8.60
-समेकित वस्तु एवं सेवाकर	0.00	0.00	0.00	
-निगम कर	54826.77	58648.10	(+) 3821.33	6.97
-निगम कर से भिन्न आय कर	53267.30	57056.67	(+) 3789.37	7.11
-धन कर	-1.61	-1.52	(+) 0.09	(-)5.59
-सीमा शुल्क	4679.77	5812.65	(+) 1132.88	24.21
-संघ उत्पाद शुल्क	2340.69	2434.50	(+) 93.81	4.01
-सेवा कर	75.70	36.78	(-)38.92	(-) 51.41
-अन्य केन्द्रीय कर	0.00	0.00	0.00	
2- केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान	111538.51	101203.30	(-)10335.21	(-) 9.27

3- केन्द्र सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	18073.84	20939.00	(+)2865.16	15.85
योग -	**299357.65**	**305379.89**	**(+) 6022.24**	**2.01**

- **वर्ष 2023-2024** के **आय-व्ययक** में केन्द्र सरकार से केन्द्रीय करों में राज्यांश, सहायता अनुदान एवं कर्ज तथा अग्रिम के रूप में **कुल ₹ 3,05,379.89 करोड़** की प्राप्ति अनुमानित है, जो वर्ष 2022-2023 के **पुनरीक्षित अनुमान** ₹2,99,357.65 करोड़ से ₹ 6,022.24 करोड़ **(2.01 प्रतिशत)** अधिक है।

राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ

राज्य सरकार के स्वयं के कर राजस्व की प्रमुख मदों में न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार परिलक्षित हो रही

(₹ करोड़ में)

मदें	अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि+/कमी	प्रतिशत
1- राज्य वस्तु एवं सेवाकर	76709.80	108212.00	(+)31502.20	41.07
2- भू-राजस्व	243.07	962.00	(+)718.93	295.77
3- स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	24266.69	34560.00	(+)10293.31	42.42
4- राज्य उत्पाद शुल्क	41349.27	58000.00	(+)16650.73	40.27
5- बिक्री व्यापार कर	31541.50	41788.00	(+)10246.50	32.49
6- वाहन कर	8770.55	12672.00	(+)3901.45	44.48
7- विद्युतकर तथा शुल्क	2357.10	6440.00	(+)4082.90	173.22
योग :-	**185237.98**	**262634.00**	**(+)77396.02**	**41.78**

बजट वर्ष 2023-2024 में राज्य के स्वयं के कर राजस्व में वर्ष 2022 2023 के पुनरीक्षित अनुमान ₹ 1,85,237.98 करोड़ की तुलना में ₹ 77,396.02 करोड़ (41.78 प्रतिशत) की वृद्धि होने का अनुमान है ।

राजस्व लेखे की समग्र राजस्व प्राप्तियों की न्यूनाधिकतायें निम्नवत् अनुमानित हैं :-

(₹ करोड़ में)

मदें	अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि+ / कमी	प्रतिशत
राजस्व लेखा				
1- कर राजस्व	354983.28	445871.59	(+) 90888.31	25.60
2- करेतर राजस्व	12294.74	23790.77	(+) 11496.03	93.50
3- केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान	111538.51	101203.30	(-) 10335.21	(-) 9.27
योग :	**478816.53**	**570865.66**	**(+) 92049.13**	**19.22**

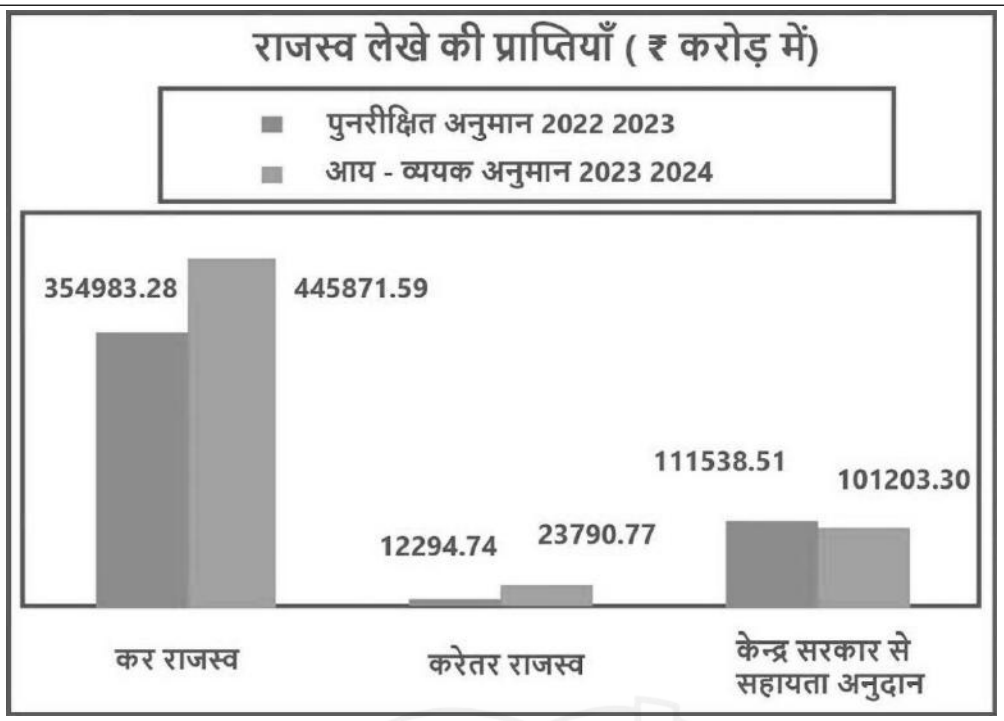

पूंजी लेखे की प्राप्तियाँ

पूँजी लेखे की समग्र प्राप्तियों की न्यूनाधिकतायें निम्नवत् अनुमानित हैं **(₹ करोड़ में)**

मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि+/कमी	प्रतिशत
पूँजी लेखा				
1- राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	76674.00	*88175.90	(+)11501.90	15.00
2- केन्द्र सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	18073.84	20939.00	(+) 2865.16	15.85
3- ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	2565.00	3312.00	(+) 747.00	29.12
योग :	**97312.84**	**112426.90**	**(+)15114.06**	**15.53**

*** इसमें भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम के रूप में ₹10,000.00 करोड़ वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक अनुमान में सम्मिलित हैं ।**

पूँजी लेखा में राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण की प्रमुख मदों में न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार से हैं -

(₹ करोड़ में)

मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2022-2023	आय व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि / कमी	प्रतिशत
बाजार कर्ज	74150.00	75150.00	(+)1000.00	1.35
नाबार्ड से कर्ज (RIDF)	2500.00	3000.00	(+) 500.00	20.00
राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से कर्ज	20.00	25.00	5.00	25.00

अन्य संस्थाओं से कर्ज	4.00	0.90	(-) 3.10	(-) 77.50
भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम	0.00	10000.00	(+)10000.00	
योग -	**76674.00**	**88175.90**	**(+)11501.90**	**15.00**

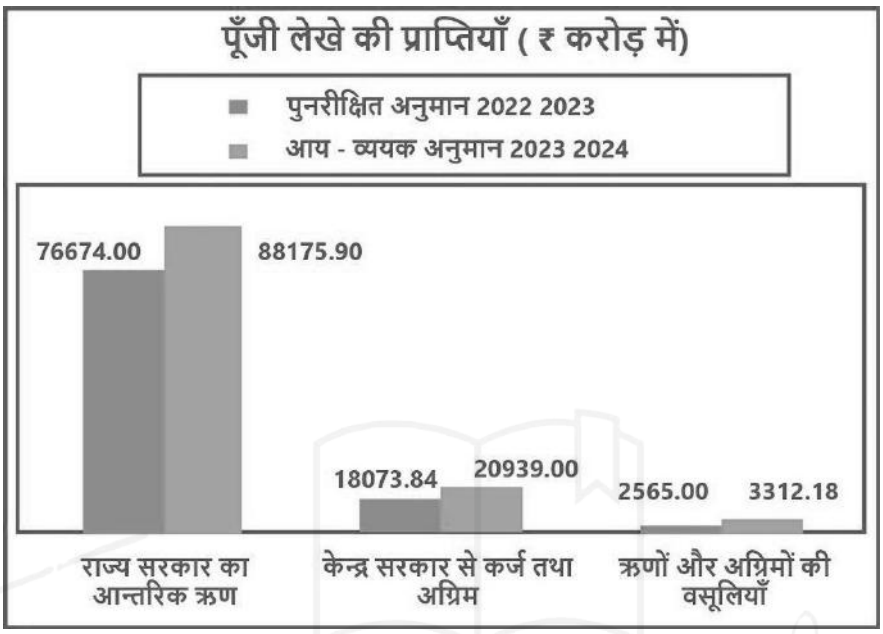

राजस्व लेखे का व्यय

- **वर्ष 2022-2023** के आय-व्ययक में **राजस्व व्यय** हेतु **₹ 4,56,089.06 करोड़** की व्यवस्था की गयी थी। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में राजस्व लेखे का **अनुमानित व्यय ₹5,02,354.01 करोड़** है । इस प्रकार बजट वर्ष 2023-2024 में राजस्व लेखे के व्यय की मद ₹ 46,264.95 करोड़ का अधिक व्यय अनुमानित है।
- **राजस्व व्यय की सेक्टरवार स्थिति निम्नवत है**

(₹ करोड़ में)

मदें	आय-व्ययक अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताएँ वृद्धि + /- कमी	प्रतिशत
1 सामान्य सेवायें	177670.39	193465.41	(+) 15795.02	8.89
2 सामाजिक सेवायें	169118.02	181579.25	(+) 12461.23	7.37
3- आर्थिक सेवायें	91300.63	103596.27	(+) 12295.64	13.47
4- स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को समनुदेशन	18000.02	23713.08	(+) 5713.06	31.74
योग -	456089.06	502354.01	(+) 46264.95	10.14

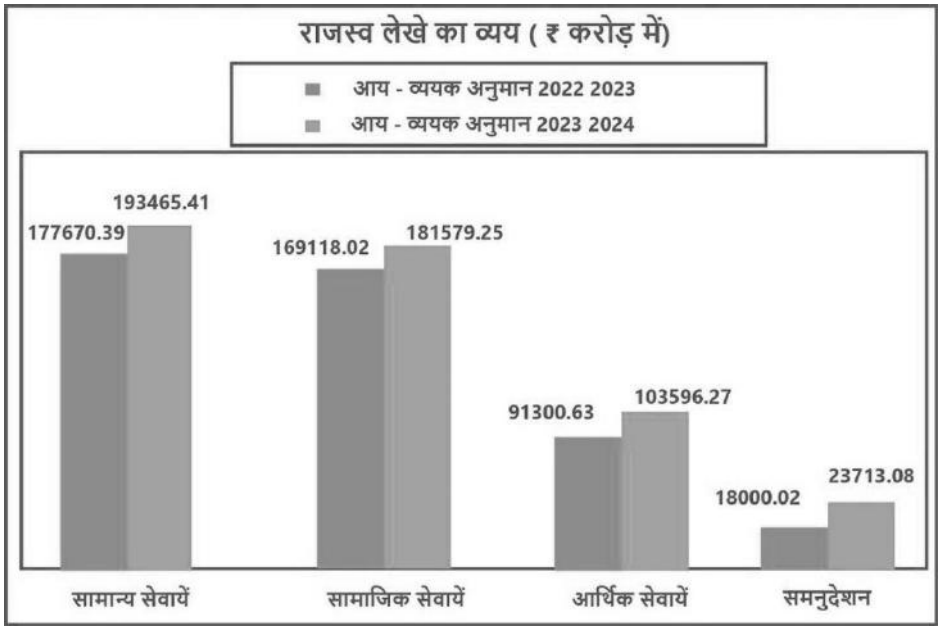

पूँजी लेखे का व्यय

- वर्ष 2022-2023 के मूल आय-व्ययक में **पूँजी लेखे के व्यय** में **₹ 1,59,429.92 करोड़** की व्यवस्था की गयी थी।
- बजट वर्ष 2023-2024 में **₹ 1,87, 888.42 करोड़** का **व्यय अनुमानित** है। इस प्रकार बजट वर्ष 2023-2024 में कुल ₹28,458.51 करोड़ **(17.85 प्रतिशत) की वृद्धि** अनुमानित है
- **पूँजीगत परिव्यय:** कुल ₹ 23,572.45 करोड़ **(19.02 प्रतिशत) की वृद्धि** ।
- **राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण** के अन्तर्गत ₹ 1,378.23 करोड़ **(4.45 प्रतिशत) की कमी अनुमानित** की गयी है ।
- समस्त न्यूनाधिकताओं को संज्ञान में लेने के उपरान्त समग्र रूप से **पूँजी लेखे** में कुल ₹ 28,458.51 करोड़ **(17.85 प्रतिशत) की वृद्धि अनुमानित** है, जिसकी सेक्टरवार स्थिति निम्नवत् है :-

(₹ करोड़ में)

मदें	आय-व्ययक अनुमान 2022-2023	आय-व्ययक अनुमान 2023-2024	न्यूनाधिकताएँ वृद्धि + / कमी	प्रतिशत
1- सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	7380.03	11322.75	(+) 3942.72	53.42
2- सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	44914.14	59670.99	(+) 14756.85	32.86
3- आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	71625.67	76498.55	(+) 4872.88	6.80
योग पूँजीगत परिव्यय -	123919.84	147492.29	(+) 23572.45	19.02
4 राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण	*30966.12	*29587.89	(-) 1378.23	(-) 4.45
5- केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	1597.17	1593.54	(-) 3.63	(-) 0.23
योग लोक ऋण	32563.29	31181.43	(-) 1381.86	(-) 4.24

6- कर्ज तथा उधार	2946.78	9214.70	(+) 6267.92	212.70
योग - पूँजी लेखा	159429.91	187888.42	28458.51	17.85

*** इसमें भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थोपाय अग्रिम के भुगतान हेतु वर्ष 2022 2023 एवं 2023 2024 के आय-व्ययक अनुमानों में ₹10,000.00 करोड़ सम्मिलित है ।**

- **वित्तीय वर्ष 2023-2024** के आय-व्ययक में केन्द्र सरकार से **कर्ज तथा अग्रिम** की मद में गत वर्ष के बजट अनुमानों के सापेक्ष **₹ 3.63 करोड़ की कमी अनुमानित** है, जबकि **कर्ज तथा उधार की म**द में **₹6,267.92 करोड़ की वृद्धि अनुमानित** की गयी है

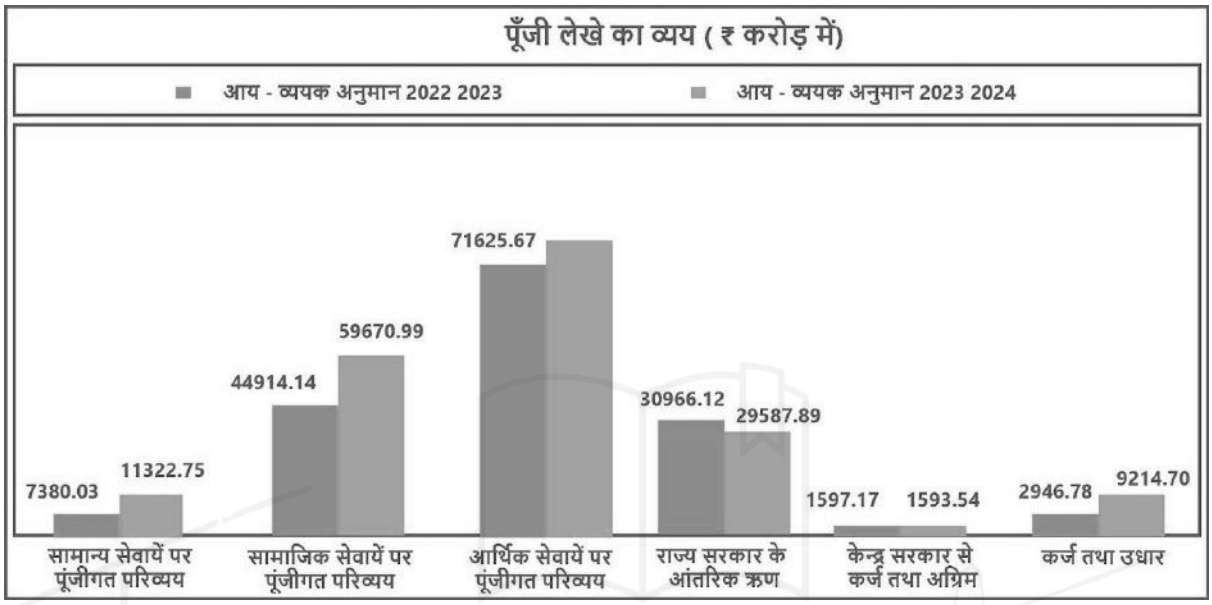

<u>आकस्मिकता निधि</u>

- वित्तीय वर्ष 2022 2023 में **आकस्मिकता निधि (शुद्ध) ₹0.00 अनुमानित** था, जबकि बजट वर्ष 2023-2024 में **आकस्मिकता निधि (शुद्ध)** की मद में कोई बजट **प्रावधान नहीं** किया गया है।

<u>लोक लेखा</u>

- लोक लेखा के अन्तर्गत उन लेन-देनों को दर्शाया जाता है, जिनमें **सरकार**, **बैंकर या ट्रस्टी** के रूप में **काम** करती है। इस लेखे की प्राप्तियाँ एवं संवितरण समेकित निधि के लेखों से अलग होते हैं ।
- **भविष्य निधि, स्थानीय निधियों की जमा और अन्य निक्षेप, आरक्षित निधियाँ, जमा राशियाँ, अग्रिम व उचन्त** आदि लोक लेखा के **मुख्य भाग** हैं। इन लेन-देनों का राज्य सरकार की **अर्थोपाय स्थिति** पर **प्रभाव** पड़ता है
- वित्तीय वर्ष 2023-2024 में **लोक लेखा** के अन्तर्गत लेन-देनों से **₹5,500.00 करोड़ की शुद्ध प्राप्ति** का अनुमान है, जो वर्ष 2022-2023 की शुद्ध प्राप्ति के **मूल अनुमान ₹6,000.00 करोड़ से ₹500.00 करोड़ कम** है ।

<u>समस्त लेन-देनों का शुद्ध परिणाम</u>

- वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक अनुमानों में वर्ष के **समस्त लेन-देनों का शुद्ध परिणाम ₹ (-)1,449.69 करोड़ अनुमानित** है । प्रारम्भिक शेष तथा समस्त लेन-देनों के उपरान्त शुद्ध परिणाम के आधार पर **अन्तिम शेष ₹ 35,957.42 करोड़ अनुमानित** है।

<u>राजस्व बचत</u>

- राज्य की **राजस्व बचत** वर्ष 2021-2022 में **₹23,210.09 करोड़ अनुमानित** किया गया था । वास्तविक आँकड़ों के अनुसार **₹ 33,430.06 करोड़** की राजस्व बचत हुई है।
- वर्ष 2022-2023 के बजट अनुमानों के आधार पर **राजस्व बचत ₹ 43,123.65 करोड़ अनुमानित** था। पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार **राजस्व बचत ₹53,907.26 करोड़** होने का अनुमान है।
- **वर्ष 2023-2024** के आय-व्ययक में **₹ 68, 511.65 करोड़** की **राजस्व बचत अनुमानित** है।

<u>राजकोषीय घाटा</u>

- वर्ष 2021-2022 के वास्तविक आँकड़ों के अनुसार **शुद्ध राजकोषीय घाटा ₹ 39,286.42 करोड़** है। वर्ष 2022 2023 के बजट अनुमानों के अनुसार **राजकोषीय घाटा ₹ 81,177.98 करोड़** था, जो पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार **बढ़कर ₹ 81, 325.63 करोड़ होना अनुमानित** है ।
- **वित्तीय वर्ष 2023-2024** में **राजकोषीय घाटा ₹ 84,883.16 करोड़ होने का अनुमान** है, जो **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** का **3.48 प्रतिशत** है।

पूँजीगत परिव्यय

- **पूँजीगत परिव्यय** से **अवस्थापना सुविधाओं** एवं **आधारभूत सेवाओं** का **सृजन** होता है। इन सेवाओं का विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान होता है ।
- वास्तविक आँकड़ों के आधार पर **वर्ष 2021-2022** में **पूँजीगत परिव्यय** के अन्तर्गत **₹71,442.55 करोड़ का व्यय** किया गया है ।
- **वर्ष 2022 2023** के बजट अनुमान में **पूँजीगत परिव्यय ₹1,23,919.85 करोड़ अनुमानित** था, जो कि पुनरीक्षित अनुमानों में **बढ़कर ₹ 1,26,601.11 करोड़** होना अनुमानित है ।
- **वित्तीय वर्ष 2023-2024** के बजट में **पूंजीगत परिव्यय ₹ 1,47,492.29 करोड़ अनुमानित** है ।

वर्ष 2023-24 में राज्य की अनुमानित प्राप्तियों एवं व्यय का विश्लेषण

वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाले संसाधनों की संचरना एवं व्यय के लिए की गयी व्यवस्था का विश्लेषण क्रमशः आगे दिये गये चार्ट -1 एवं चार्ट - 2 में दिया गया है ।

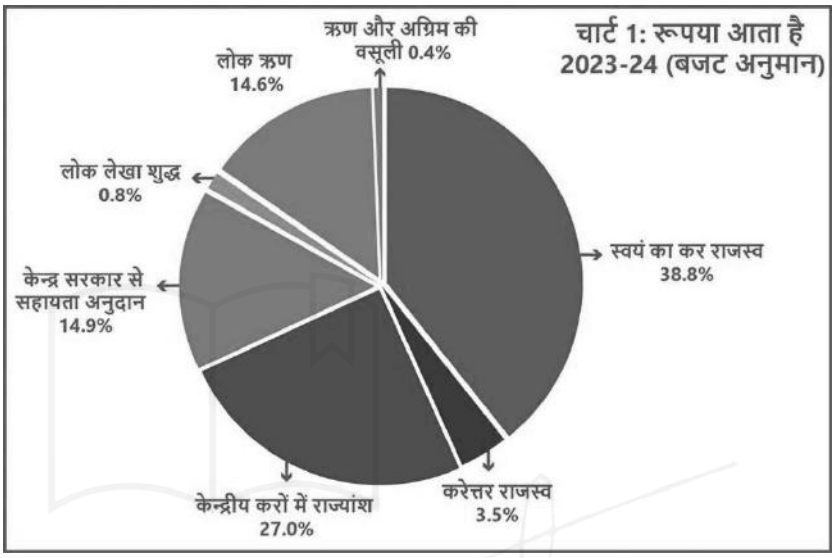

चार्ट - 1: इस चार्ट से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य के कुल अनुमानित संसाधनों में राज्य का स्वयं का कर राजस्व 38.8 प्रतिशत, राज्य का करेतर राजस्व 3.5 प्रतिशत, केन्द्रीय करों में राज्यांश 27.0 प्रतिशत तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाला सहायता अनुदान 14.9 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल संसाधनों में राजस्व प्राप्तियों का अंश 84.2 प्रतिशत है। अवशेष 15.8 प्रतिशत में 14.6 प्रतिशत लोक ऋण, लोक लेखा (शुद्ध) 0.8 प्रतिशत तथा ऋण एवं अग्रिम की वसूली 0.4 प्रतिशत है।

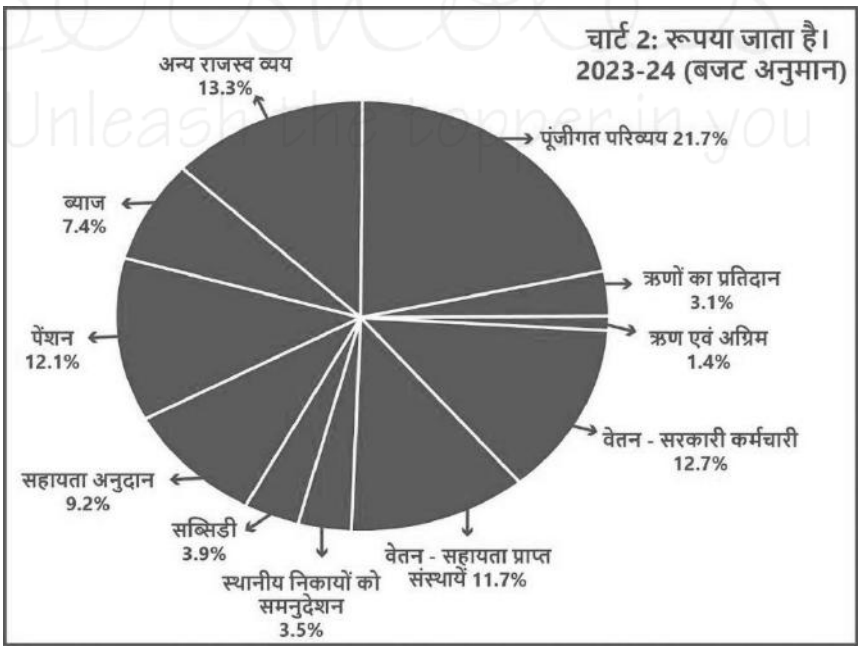

चार्ट - 2: इस चार्ट से स्पष्ट होता है कि कुल संवितरण में सरकारी कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों पर व्यय का अंश 12.7 प्रतिशत, सहायता प्राप्त संस्थाओं के कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों पर व्यय 11.7 प्रतिशत ब्याज पर व्यय का अंश 7.4 प्रतिशत तथा पेंशन पर व्यय 12.1 प्रतिशत है। वेतन, पेंशन एवं ब्याज की मदों पर व्यय 43.9 प्रतिशत आता है। ऋणों के प्रतिदान की राशि जोड़ने पर वचनबद्ध मदों पर व्यय कुल व्यय का 47.0 प्रतिशत होता है। पूंजीगत परिव्यय, कुल व्यय का 21.7 प्रतिशत है।

प्रमुख वित्तीय प्रवृत्तियों का विश्लेषण

पिछले दशक के दौरान प्रमुख वित्तीय प्रवृत्तियाँ आगे के पृष्ठों में चार्ट-3, चार्ट - 4 एवं चार्ट - 5 में प्रदर्शित की गयी हैं।

चार्ट - 3: इस चार्ट में वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक राजस्व प्राप्तियों, राजस्व व्यय एवं राजस्व घाटा की प्रवृत्ति का निरूपण किया गया है ।

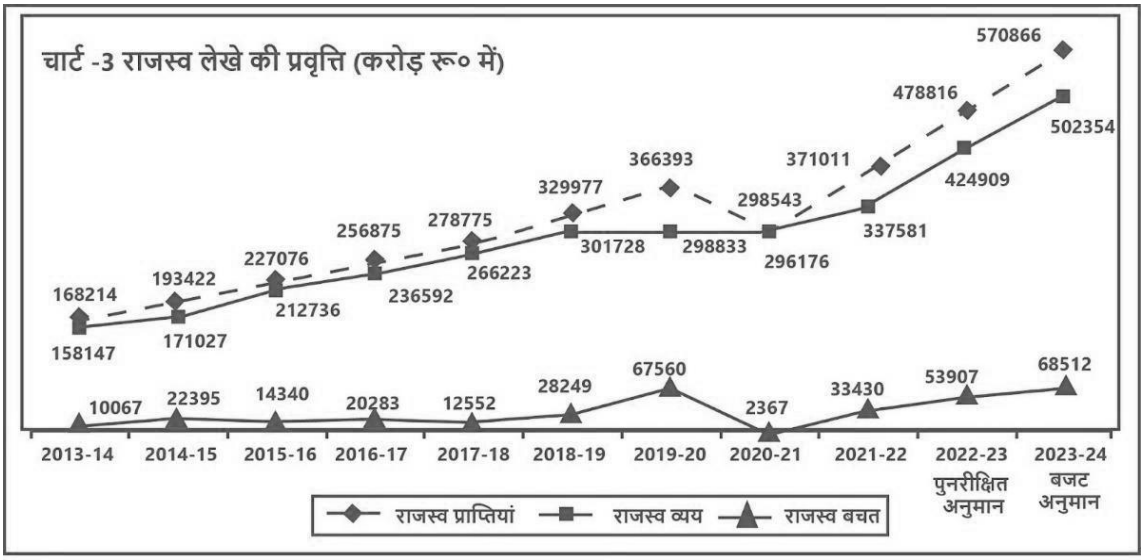

<u>चार्ट - 4</u>: इस चार्ट में वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक राजस्व घाटा, वेतन, पेंशन एवं ब्याज पर व्यय तथा ऋण सेवा पर व्यय को कुल राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में प्रदर्शित किया गया है ।

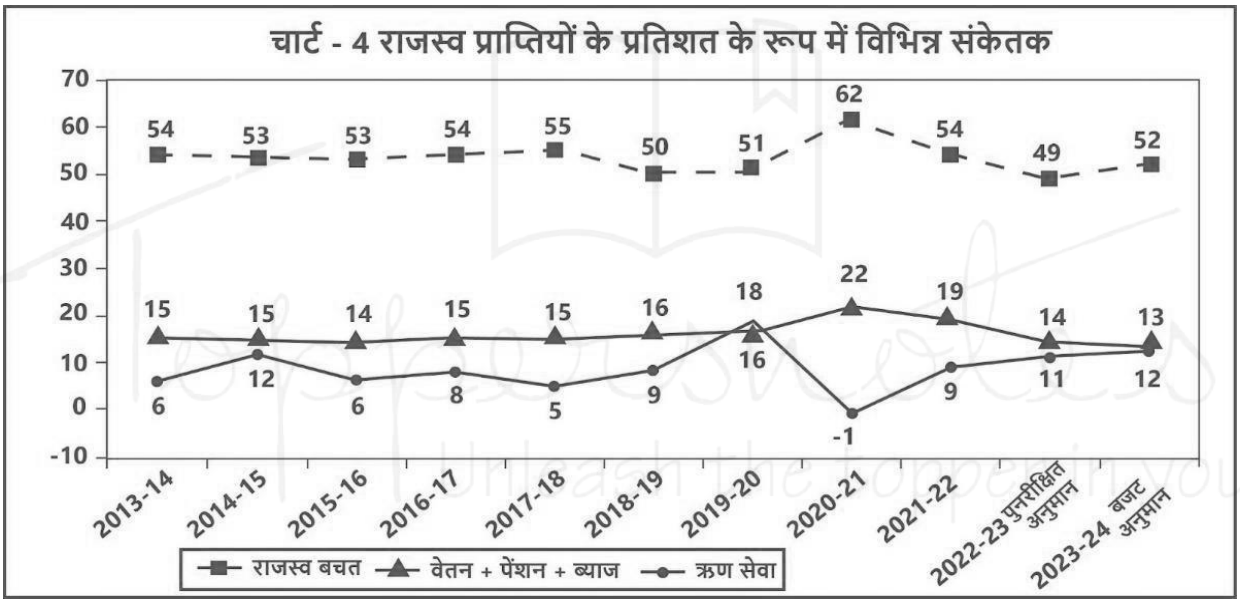

<u>चार्ट - 5</u>: इस चार्ट में वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक राजकोषीय घाटा के अपघटन को प्रदर्शित किया गया है ।

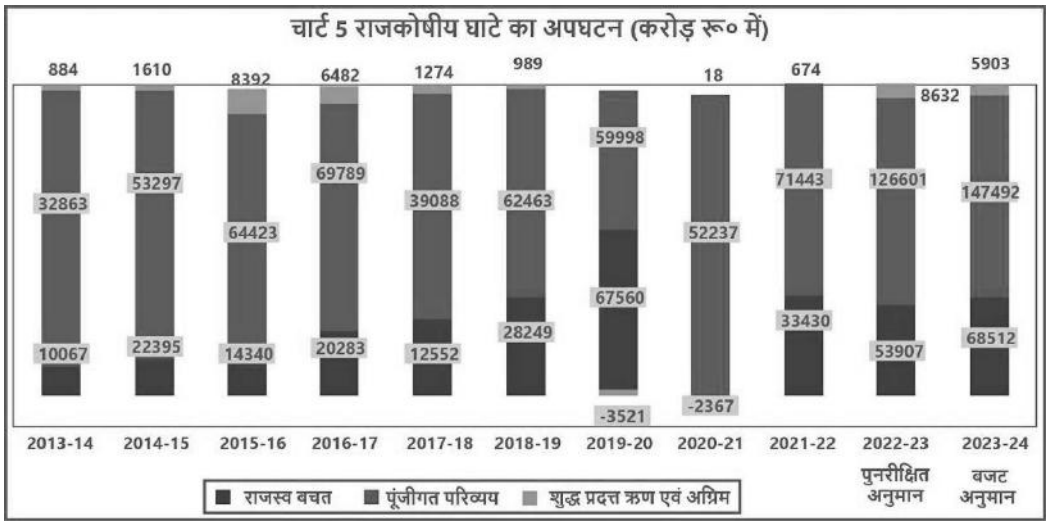

2021-26 के लिए 15वें वित्त आयोग की सिफारिशें

1 फरवरी, 2021 को **जारी** की गई **रिपोर्ट।**

- केंद्रीय करों के **विभाज्य पूल** में **राज्यों** की **हिस्सेदारी 41% होने की सिफारिश** की, जो **2020-21** के लिए **समान** है (2020-21 के लिए अपनी रिपोर्ट में 15 वें वित्त आयोग द्वारा भी अनुशंसित)।
    - **जम्मू-कश्मीर** और **लद्दाख** के **नवगठित केंद्र शासित प्रदेशों** के लिए **अलग** से **धन उपलब्ध** कराने के लिए **14वें वित्त आयोग** (2015-20 की अवधि के लिए) द्वारा **अनुशंसित** 42**% हिस्सेदारी** से **1% अंक कम।**
- अलग-अलग **राज्यों** की **हिस्सेदारी निर्धारित** करने के लिए **प्रस्तावित संशोधित मानदंड** (14वें वित्त आयोग से अलग)।
- केंद्रीय करों के **विभाज्य पूल** में **यूपी** का **7.36% हिस्सा** होगा।
    - **14वें एफसी** द्वारा **अनुशंसित 7.54 लाख करोड़ रुपये** से कम।

2021-26 के लिए अनुशंसित अनुदान (करोड़ रुपये)

अनुदान	कुल	उत्तर प्रदेश
राजस्व घाटा अनुदान	2,94,514	0
स्थानीय सरकारों को अनुदान	4,36,361	67,160*
क्षेत्र विशेष अनुदान	1,29,987	15,781#
आपदा प्रबंधन अनुदान	1,22,601	10,685
राज्य-विशिष्ट अनुदान	49,599	3,495
कुल	10,33,062	97,121

2 CHAPTER उत्तर प्रदेश में व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग

- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है
- राज्य में 2.2 लाख हेक्टेयर गन्ने की खेती और कुल उत्पादन लगभग 132.4 लाख टन था।
- उत्तर प्रदेश देश में **सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा** उत्पादक है.
- यह भारत में पॉइंटेड लौकी, मटर, आलू, कस्तूरी, तरबूज और कद्दू का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- राज्य शकरकंद का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी है।
- उत्तर प्रदेश में भारत में सूक्ष्म, माध्यम और लघु उद्यमों (एमएसएमई) की सबसे बड़ी संख्या है।
- 4 बिलिअन से अधिक अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ, 11वीं पंचवर्षी योजना के दौरान 175,000एमएसएमई इकाइयाँ स्थापित की गयी।
- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के साथ, सबसे बड़ा उपभोक्ता
- उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ रही है, जिसकी वजह से यह औद्योगिक घरानो के सबसे बड़े बाज़ार में से एक है।
- उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में व्यवसायिक स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलीटेक्निक संस्थान हैं, जो कुशल कर्मचारियों को तैयार करते रहते हैं|
- राज्य क्रमशः आईटीआई / आईटीसी, बिजनेस स्कूलों और इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर है।
- उत्तर प्रदेश **देश का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक** राज्य है जिसका देश में उत्पादित कुल दूध लगभग 17.6 प्रतिशत (23.3 मिलियन टन) है।
- सेवा क्षेत्र की विकास दर – सी ए जी आर 9.3%
- प्राथमिक सेक्टर उत्तर प्रदेश की जी एस डी पी में राष्ट्रीय जी डी पी के 19.7 % के सापेक्ष 29.1% का योगदान देता है|
- सेवा क्षेत्र में राज्य जी एस डी पी का प्रतिशत 48% से बढ़ कर 55% हुआ है|

उत्तर प्रदेश में व्यापार या व्यवसाय

- व्यवसाय उत्पादन के साथ शुरू होता है और खपत के साथ समाप्त होता है।
- उपभोक्ता तक तैयार वस्तुओं को पहुँचाने के लिए चरणों की एक श्रृंखला शामिल होती है।
- वस्तुओं के उत्पादन का कार्य उद्योग के अंतर्गत आता है और शेष गतिविधियाँ वाणिज्य से संबंधित हैं।
- संक्षेप में, हम उन्हें 'व्यवसाय' कहते हैं जो एक व्यापक शब्द है और इसमें उद्योग, व्यापार और वाणिज्य शामिल हैं।
- प्राचीन काल में कई **प्रमुख व्यापारिक केंद्र** वस्तुओं के आयात और निर्यात के लिए विकसित किए गए थे, जिनमें से कुछ पाटलिपुत्र, पेशावर, तक्षशिला, इंद्रप्रस्थ, मिथिला, मदुरम, सूरत, उज्जैन और कांची थे।
- **प्रमुख निर्यात वस्तुएँ** – मसाले, गेहूँ, चीनी, नील, अफ़ीम, तिल का तेल, कपास, तोता, जीवित पशु और पशु उत्पाद आदि थे।
- **प्रमुख आयात** घोड़े, पशु उत्पाद, चीनी रेशम, लीनेन, शराब, सोना, चाँदी, ताँबा आदि थे।
- सभी प्रकार के **शहर थे**- बंदरगाह शहर, विनिर्माण शहर, व्यापारिक शहर, पवित्र केंद्र और तीर्थ शहर। उनका अस्तित्व व्यापारी समुदायों और व्यावसायिक वर्गों की समृद्धि का सूचकांक है।
- व्यावसायिक गतिविधियों ने परिवहन, बैंकिंग, वित्त और संचार जैसे व्यापार में सहायक विभिन्न पहलुओं का विकास किया, जिससे व्यापारिक गतिविधियों की संभावना बढ़ गई।

औद्योगिक विकास

- उत्तर प्रदेश में कपड़ा,खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, रसायन और इंजीनियरिंग सहित विविध प्रकार के उद्योग हैं।
- राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं, जैसे औद्योगिक इकाइयों को सब्सिडी और प्रोत्साहन प्रदान करना, औद्योगिक एस्टेट और पार्क स्थापित करना और व्यवसाय शुरू करने और चलाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना। GIS का आयोजन करना

कृषि आधारित उद्योग

- कृषि आधारित उद्योग जैसे चीनी, सूती कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण राज्य के प्रमुख उद्योगों में से हैं।
- यूपी गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है और चीनी उद्योग में इसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

इंफ्रास्ट्रक्चर

- राज्य में सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के नेटवर्क के साथ उद्योगों का समर्थन करने के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा है।

- राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में भी निवेश कर रही है, जैसे एक्सप्रेसवे, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और हवाई अड्डों का निर्माण।

व्यापार और वाणिज्य

- यूपी में एक मजबूत व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र है, जहां साल भर कई बड़े थोक बाजार और व्यापार मेले लगते हैं।
- राज्य में कई प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र हैं, जिनमें **लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी** शामिल हैं।

MSMEs

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) यूपी में औद्योगिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- राज्य सरकार ने MSMEs के विकास को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं, जैसे वित्तीय सहायता प्रदान करना, ऊष्मायन केंद्र स्थापित करना और निर्यात को बढ़ावा देना।
- कुल मिलाकर, व्यापार, वाणिज्य और उद्योग यूपी की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, और राज्य सरकार विभिन्न नीतियों और पहलों के माध्यम से उनकी वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर प्रदेश (यूपी) में प्रमुख व्यापार केंद्र

- **कानपुर:**
  - जीवंत व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र के साथ कानपुर यूपी के सबसे बड़े औद्योगिक शहरों में से एक है।
  - यह शहर अपने चमड़े के उद्योग के लिए जाना जाता है, जो देश में सबसे बड़ा है।
  - कपड़ा, रसायन और इंजीनियरिंग उद्योगों में भी कानपुर की महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
- **लखनऊ:**
  - लखनऊ यूपी की राजधानी और एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है।
  - शहर में एक विविध अर्थव्यवस्था है, जिसमें कपड़ा और हस्तशिल्प से लेकर सॉफ्टवेयर विकास और फार्मास्यूटिकल्स तक के उद्योग शामिल हैं।
  - लखनऊ अपनी पारंपरिक चिकनकारी कढ़ाई के लिए भी जाना जाता है, जो एक प्रमुख निर्यात वस्तु है।
- **आगरा:**
  - आगरा अपने ऐतिहासिक स्मारकों जैसे ताजमहल के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यह यूपी का एक महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र भी है।
  - यह शहर अपने चमड़े के सामान, हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग के लिए जाना जाता है।
  - आगरा जूतों और जूतों के उत्पादन का भी एक प्रमुख केंद्र है।
- **वाराणसी:**
  - वाराणसी एक पवित्र शहर है और रेशम की बुनाई और हस्तशिल्प का एक प्रमुख केंद्र है।
  - यह शहर अपनी बनारसी सिल्क साड़ियों के लिए जाना जाता है, जो पूरी दुनिया में मशहूर हैं।
  - वाराणसी पीतल के सामान, हाथीदांत के काम और लकड़ी के काम के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है।
- **नोएडा:**
  - नोएडा दिल्ली का एक उपग्रह शहर और यूपी में एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है।
  - यह शहर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों का घर है और सॉफ्टवेयर विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोटिव उद्योगों में इसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
  - नोएडा में उपभोक्ता वस्तुओं का एक बड़ा थोक बाजार भी है।

उत्तर प्रदेश में उद्योग

- **विविध** और **स्वाभाविक** रूप से **विकसित औद्योगिक गतिविधियाँ** हैं।
- **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश** (FDI) **इक्विटी** (2000 से 2017): US$ 652 मिलियन
- तेजी से **उभरता आईटी हब।**
- बड़े पैमाने पर **विकास प्रदर्शित** करने वाली **सेवाएं**: दूरसंचार, बैंकिंग, बीमा, रसद, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा
- **राज्य द्वारा निर्यात उत्पाद**: सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर हार्डवेयर, रसायन, पत्थर के उत्पाद, पीतल का काम, पान के पत्ते, आलू आधारित उत्पाद, हाथ से छपाई, चमड़े की वस्तुएं, सूती धागे, साड़ी, रेशम की पोशाक सामग्री, काली मिट्टी के बर्तन, हस्तशिल्प की वस्तुएं, कला उत्पाद, आभूषण।
- **यूपी में औद्योगिक विकास के लिए ज़िम्मेदार प्रमुख कारक:**
  - प्राकृतिक संसाधनों और कच्चे माल की उपलब्धता
  - मजबूत बुनियादी ढांचे तक पहुंच
  - व्यापक कम्यूटेशन नेटवर्क
  - कुशल श्रम की उपलब्धता
  - राज्य द्वारा प्रस्तावित बड़े पैमाने पर निवेश और प्रोत्साहन का प्रावधान

प्रमुख उद्योग	औद्योगिक स्पेक्ट्रम
सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि प्रसंस्करण, पर्यटन, खनिज आधारित उद्योग, कपड़ा, हथकरघा और हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और खेल के सामान, वनस्पति और पशु तेल और वसा, डेयरी उत्पाद, अनाज मिल उत्पाद, पशु चारा, दरियां और कालीन।	सीमेंट, वनस्पति तेल, कपड़ा, कपास यार्न, चीनी, जूट, ताले, कालीन, पीतल के बर्तन, कांच के बने पदार्थ, चूड़ियाँ, संगमरमर, कलमकारी, खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थ, तंबाकू, रसायन और रासायनिक उत्पाद, धातु, रबर और प्लास्टिक उत्पाद, धातु निर्माण कार्य मोटर वाहन, ट्रेलर और अर्ध-ट्रेलर, संचार उपकरण, परिवहन उपकरण, विद्युत मशीनरी और उपकरण, फर्नीचर, गैर-धातु खनिज उत्पाद, प्रकाशन, मुद्रण और मीडिया, कागज और कागज उत्पाद, कांच के बने पदार्थ और चमड़े से संबंधित उत्पाद आदि।

उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग

- इस **क्षेत्र** में लगभग **500 खाद्य-प्रसंस्करण इकाइयां** स्थित हैं और **कार्य** कर रही हैं।
- **कृषि उपज** - सरसों, चना, मटर, मसूर, मूंगफली और सरसों।
- **गन्ना** - चीनी के उत्पादन में **प्रमुख योगदानकर्ता**
  - देश के **चीनी उत्पादन** में **राज्य** का **सर्वाधिक योगदान** है।
- **आलू** और **मटर** के **संरक्षण** और **प्रसंस्करण** में **कृषि क्षेत्र** भी **सक्रिय** रूप से भाग लेता है।
  - खाद्य **प्रसंस्करण** के क्षेत्र में बहुत आगे आएं।
- **प्रमुख खाद्य उत्पाद** - जूस बनाना, डिब्बाबंद भोजन और विभिन्न अन्य कच्चे, संरक्षित या खाने के लिए तैयार विकल्प।

उद्योग का विकास

- विशेष रूप से देश में **आर्थिक उदारीकरण** की **नीतियों** की **शुरूआत** के बाद **तीव्र औद्योगीकरण।**
- इन **खनिजों** के **आधार** पर **अनेक खनिज** मिले और **अनेक उद्योग** उत्पन्न हुए:
  - **सीमेंट संयंत्र** - विंध्य क्षेत्र में मिर्जापुर
  - **बॉक्साइट आधारित एल्युमीनियम संयंत्र** - बांदा एवं सोनभद्र क्षेत्र।
  - **पहाड़ी क्षेत्रों में अधात्विक खनिज** - औद्योगिक कच्चा माल।
  - **कोयला भंडार** - सिंगरौली क्षेत्र।
- राज्य **खनिज संसाधनों** में **गरीब** है।
  - **मिर्जापुर** जिले में **चूना पत्थर।**
- **यूपी-दिल्ली-एनसीआर** और **लखनऊ-कानपुर कॉरिडोर** में तेजी से बढ़ रहा **इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।**
- **कुटीर उद्योग** (हथकरघा और हस्तशिल्प) में **शामिल** हैं:
  1. **वाराणसी**
     - **हथकरघा** बुने हुए, **कशीदाकारी** वस्त्रों का **विश्व प्रसिद्ध केंद्र**;
     - **मुख्य उत्पाद -** रेशम की साड़ियों पर जरी-कढ़ाई और ब्रोकेड-वर्क।
  2. **लखनऊ**
     - **ठिकानी कढ़ाई** का **केंद्र।**
- **वाराणसी** - डीजल लोकोमोटिव वर्क्स में **डीजल-इलेक्ट्रिक इंजनों** का **निर्माण** - भारत में सबसे बड़ा **डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव निर्माता।**
- **आगरा** और **कानपुर** - चमड़े और **चमड़े** के **उत्पादों** के 2 प्रमुख उत्पादन केंद्र।
- **मुरादाबाद** - पीतल का काम।
- **लोहे** की **शीट धातु** के **बर्तन**, **एल्यूमीनियम कलाकृतियाँ**, **लकड़ी** के काम और **कांच** के बने **पदार्थ** भी लोकप्रिय हैं।
- **मेरठ** - **सोने** का बाजार
  - साथ ही खेल से संबंधित वस्तुओं और देश के संगीत वाद्ययंत्रों का सबसे बड़ा निर्यातक है।
- **बुलंदशहर** - **खुर्जा मिट्टी** के बर्तन।
  - यूनाइटेड किंगडम, यूएसए ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, और अन्य जैसे विदेशी देशों में निर्यात किया जाता है।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों/जिलों की सूची

क्र.स.	विनिर्माण उत्पाद	प्रमुख केंद्र / जिले
1.	हथकरघा और हस्तशिल्प	भदोही, मऊ, आजमगढ़, टांडा, बनारस, मेरठ और इटावा
2.	सीमेंट	मिर्जापुर
3.	डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव	वाराणसी
4.	चिकन कढ़ाई	लखनऊ
5.	चर्म उत्पाद	आगरा और कानपुर
6.	संगीत वाद्ययंत्र और खेल से संबंधित आइटम	मेरठ
7.	खुर्जा मिट्टी के बर्तन	बुलंदशहर
8.	पीतल का काम	मुरादाबाद
9.	आयरन शीट मेटलवेयर, वुडवर्क्स, एल्युमिनियम आर्टवर्क और ग्लासवेयर	आगरा, अलीगढ़, बरेली, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा, लखनऊ
10.	सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक घटक, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल, आईटीईएस और बीपीओ	नोएडा (ग्रेटर नोएडा)
11.	मिट्टी के खिलौने	आगरा
12.	बिस्कुट	मोदीनगर, आगरा और अलीगढ़
13.	इत्र और सुगंध तेल	कन्नौज, गाजीपुर, जौनपुर, लखनऊ और इलाहाबाद
14.	रासायनिक, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, दवाएं, उर्वरक, एफएमसीजी	गजरौला
15.	रासायनिक, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ, चमड़ा, मांस प्रसंस्करण इकाइयाँ, रजाई निर्माण इकाइयाँ	उन्नाव
16.	कांच और चूड़ी का काम	फिरोजाबाद
17.	पेट्रोलियम रिफाइनरी	मथुरा
18.	कालीन निर्माण	बरेली, आगरा, अलीगढ़, इटावा, मिर्जापुर
19.	फर्श के कपड़े	आगरा, वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर, बरेली, सहारनपुर
20.	माचिस उद्योग	बरेली, सहारनपुर, इलाहाबाद, मेरठ
21.	साबुन उद्योग	कानपुर, आगरा, मोदीनगर, गाजियाबाद, मेरठ
22.	फर्नीचर उद्योग	हाथरस, वाराणसी, सहारनपुर, बरेली
23.	लकड़ी के खिलोने	लखनऊ और वाराणसी
24.	सिगरेट उद्योग	सहारनपुर, गाजियाबाद
25.	पेंट-एंड-वार्निश उद्योग	कानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, मोदीनगर
26.	मशाल निर्माण	लखनऊ
27.	दवा निर्माण	कानपुर, झांसी, लखनऊ, सहारनपुर
28.	नल पाइप	इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ
29.	चीनी मिट्टी के बर्तन	खुर्जा, इलाहाबाद
30.	लोहे के बाट	सहारनपुर, आगरा
31.	बेंत की छड़ें	बरेली